भगवान श्री सत्यनारायण जी की आरती

जय लक्ष्मी रमणा जय लक्ष्मी रमणा ।
सत्यनारायण स्वामी जन पातक हरणा ॥ जय ..... ॥ १ ॥

रत्न जड़ित सिंहासन अद्भुत छवि राजै ।
नारद करत निराजन घण्टा ध्वनि बाजै ॥ जय ..... ॥ २ ॥

प्रकट भये कलि कारण द्विज को दर्श दियो ।
बूढ़ा ब्राह्मण बनकर कंचन महल कियो ॥ जय ..... ॥ ३ ॥
दुर्बल भील कठारो जिन पर कृपा करी ।

चन्द्रचूड़ एक राजा तिनकी विपत्ति हरी ॥ जय ..... ॥ ४ ॥
वैश्य मनोरथ पायो श्रद्धा तज दीन्हों ।

सो फल भोग्यो प्रभु जी फिर-स्तुति कीन्हीं ॥ जय ..... ॥ ५ ॥
भाव भक्ति के कारण छिन छिन रूप धरयो ।

श्रद्धा धारण कीनी तिनको काज सरयो ॥ जय ..... ॥ ६ ॥
ग्वाल बाल संग राजा वन में भक्ति करी ।

मनवांछित फल दीन्हों दीनदयाल हरी ॥ जय ..... ॥ ७ ॥
चढ़त प्रसाद सवायो कदली फल मेवा ।

धूप दीप तुलसी से राजी सत्य देवा ॥ जय ..... ॥ ८ ॥
श्री सत्यनारायण जी की आरती जो कोई नर गावै ।

भगतदास तन-मन सुख सम्पत्ति मनवांछित फल पावै ॥ जय ..... ॥ ९ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133